

1. Law Minister :
किरेन रिजिजू से छीना गया कानून मंत्रालय, अर्जुन राम मेघवाल को मिली जिम्मेदारी

2. Karnataka News : कर्नाटक के CM के रूप में शपथ लेंगे सिद्धारमैया, खरणे ने विपक्षी नेताओं को किया आमंत्रित

3. एक्शन में केजरीवाल : सेवा सचिव के बाद अब मुख्य सचिव को बदलने की तैयारी, केंद्र सरकार का खटखटाया दरवाजा

4. Nainital High Court : ध्वस्त होने चाहिए अवैध धार्मिक निर्माण, हाईकोर्ट ने कहा-धर्म का नहीं होना चाहिए कोई परहेज

5. Russia : हाइपरसोनिक मिसाइल के वैज्ञानिकों पर देशद्रोह का आरोप, साइंटिस्ट बोले- ऐसे डर के नहीं कर सकते काम?

गुरुगृह गयउ पढन रघुराड । अलपकाल विवा सब आड । । जाकी सहज स्वास श्रुति चारि । सो हरि पद यह कौतुक भारि । ।

(मन्स आचार्य | राम कथा 947- गांधीनगर, गुजरात | मोरारी बापू)



www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 8 अंक : 308

इंदौर, गुलवार 18 मई, 2023

पेज : 8, मूल्य : 2 रूपए

चुनाव के लिए बड़ा दांव

लाइली बहना योजना में कुल 2 लाख आपत्तियां

आवेदनों का सिर्फ 1.6%; भाजपा और कांग्रेस दोनों महिला मतदाताओं को लुभाने में जुटी

● **डिटिविग ग्रुप रिपोर्ट**

भोपाल । लाइली बहना योजना में 30 अप्रैल तक 1.25 करोड़ से अधिक आवेदन आने के बाद 15 मई तक 2.03 लाख आपत्तियां ही आई हैं। ये आपत्तियां प्रदेशभर में मिले कुल आवेदनों का मात्र 1.6 % हैं। अब 30 मई तक इन आपत्तियों पर सुनवाई होगी। इसके बाद पात्र महिलाओं की सूची फाइनल कर दी जाएगी और 10 जून से उनके खाते में 1000 रूपए का वितरण शुरू किया जाएगा।

आपत्तियों का निराकरण मंत्र में जगदप सिंहओ की अध्यक्षता वाली समिति और शहरी क्षेत्रों में अनुभव नगर निगम की समिति करेगी। नाच में कोई महिला आवेदन मिलती है तो योजना से नाम हटा देते। प्रमुख सचिव महिला काल विकास योजनाएँ रतोगी ने भास्कर से कहा कि निर्माण में किसी लापरवाही के बिनाएन आरटी आर्गो के दो नियमों के सुझावित पुनर्वाँ में पाठना का निर्णय लेना। इस जनर पर कि लापरवाही द्वारा काल जाकरती देने का मामला आइ है तो क्या रिपु पर काल की यरपुती होगी, अधिकारी ने कहा कि अभी कुछ खोलन संभव नहीं है।



30 अप्रैल तक आए 1.25 करोड़ फॉर्म

30 अप्रैल तक भेजएने में 3.08 लाख, इंदौर में 4.39 लाख, जयपुर में 3.81 लाख और ग्वाडियर में 3.08 लाख फॉर्म भरे गए थे। इसके

बाद ग्राम पंचायत और निगम के वाई कार्यालयों में सूची प्रदीर्त कर दी गई थी, जिसके अलावा पर आरक्षणों आई हैं।

आधे प्रति ऐसी- 2.5 लाख से ज्यादा आय, चार पहिया वाली ने नोटे फॉर्म

कई जिलों में खपने आई आरक्षणों के सुझावित जन पहिलेआने ने भी फॉर्म भर दिए हैं जिसकी पहिलेआरक्षण आय 2.5 लाख से ज्यादा है। कुछ के घर में इंटरनेट और कारें हैं। घर में सरकारी नौकरों वाले सदस्य हैं।

इधर, नाटी सम्मान रथ टराना

कांग्रेस ने नारी सम्मान योजना के 20 लाख फॉर्म भराए

कांग्रेस 2.60 करोड़ महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए नारी सम्मान योजना को लेकर घर-घर तक पहुंच रही है। इसमें सरकारी पत्र पर 500 रूपए में नैस सिस्टिड और हर महिला को 1500 रूपए मोनेरी दिए जायेंगे। 8 दिन में 230 विधानसभा में 20 लाख फॉर्म भराए गए हैं। 12 जून को सिमका गांधी जयन्तपुर से चुनाव प्रचार शुरू करेगी। कांग्रेस की योजना है कि वह एक 1.15 करोड़ फॉर्म भर जाए। उस से लगे अंटे के पूर्व विभास्कर ऐमन कटएने का कहना है कि 50 हजार फॉर्म बंदे घर हैं, 5 हजार फॉर्म भराए चुके हैं। मारुटल सोम से लगे बड़काना में कटएने के राजपुर से विभास्कर काला बचने ने 8 हजार से ज्यादा फॉर्म भराए हैं। यहाँ 50 हजार फॉर्म छांटाए हैं। इसके पीछे अन्य प्रदेशों में भी मैसेज देने का मकसद है। लंगोटी विभास्कर हिना ककर, अतीरजगपुर से मुंकेरा पटेल, खराणे से राव जोगी 6000 से ज्यादा फॉर्म भराए चुके हैं।

शक्तिराज सरकार के पास केवल 93 दिन, 1188 घोषणाओं पर शुरू नहीं हुआ काम

● **डिटिविग ग्रुप रिपोर्ट**

भोपाल । राज सरकार के पास काम करने के केवल 93 कार्यालय शेष हैं। अभी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की एक हजार 188 घोषणाएं अखी हैं, जिन्हें पूरी करना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। 23 मई 2020 को चौथी बार सत्ता संभालने के बाद मुख्यमंत्री ने तीन साल में जो हजार 387 घोषणाएं की हैं, इनमें से अधुनी घोषणाओं में से कुछ केंद्र सरकार से संबंधित हैं, जिन्हें पूरा करने की इरामयमीमा राज सरकार तय नहीं कर सकती है।

प्रदेश में नंबर में विधानसभा चुनाव प्रदीर्तित है। इसके डेड लाई फले (यानी अन्तर्गत के फले सफल में) आचार संहिता प्रभावी हो जायगी। इस हिस्सा से देखें तो सरकार के पास अपने वादे पूरे करने के लिए सांझे पास काम का ही समय है। इसमें से सखिनका-सखिनका और जलौरी, ग्वाडियर के अन्वयन को हटा दें तो केवल 93 कार्यालय हैं। इनके काल समय में एक हजार 100 घोषणाओं को पूरा करना अस्भव नहीं है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री अन्वनी घोषणाओं

को लेकर चिंतित हैं और एलानार समीक कर रहे हैं। उन्होंने पिछले माह विभास्कर समीक की है।

● **निकायों की स्थिति खराब**

मुख्यमंत्री की घोषणाएं पूरी करने में कालने में निकायों की स्थिति खराब है। नगरीय क्षेत्रों में सिमिका कालों के लिए मुख्यमंत्री ने तीन हजार में 425 घोषणाएं की हैं, इनमें से अलग तक 215 ही पूरी हो पाई हैं। दूसरे नंबर पर पंचायत

एवं ग्रामीण विकास विभाग है। इस विभाग में भी 285 से 127 घोषणाएं अधुनी हैं। सड़क, पुन और पुलिका के निर्माण से संबंधित 108 घोषणाएं लीयती हैं, मुख्यमंत्री ने 162 घोषणाएं की थीं।

● **राज्यीय को लेकर घेर रही कांग्रेस**

विभास्कर चुनाव में मुख्य विरोधी दल के रूप में सरकारी काले वाली कांग्रेसी मुख्यमंत्री की घोषणाओं को ही

प्रचारित कर रही है। हाल ही में भोपाल में अखीआर काट दिए मारुटकुंभ में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ के सला, तो उन्होंने साफ कहा कि मैं घोषणा की मनेरी नहीं हूँ। विभास्करयन में विभास्कर राजात नही और आरक्षण अन्वले कार्याक्रम में हिस्सा नुँ। कांसरी इरलेने पलेने भी मुख्यमंत्री की घोषणाओं को लेकर डिप्लोमा करते रहे हैं, ऐसे में सरकार पर घोषणाएं पूरी करने का बरबाद बहू रह है।

सावधान! आप भी तो नहीं बन रहे फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का शिकार

मध्य प्रदेश
साइबर पुलिस
ने कुंवारे
युवकों को
शादी का झांसा
देकर लाखों

ऐसे चलता है
ठगी का धंधा

कई युवा साइबर पुलिस ने एक
ऑनलाइन वेबसाइट पर प्रोफिल बनवाकर रिपोर्ट में,
जो सुनारी युवकों को बताती है कि वे ऑनलाइन रिपोर्ट
समाप्त करने के लिए तैयार हैं, कभी-कभी ऑनलाइन रिपोर्ट
के माध्यम से वेबसाइट्स का शिकार सुनारी युवकों को जाल में
किसी तरह के साइबर पुलिस ने एक ऑनलाइन रिपोर्ट में,
जो सुनारी युवकों को बताती है कि वे ऑनलाइन रिपोर्ट
समाप्त करने के लिए तैयार हैं, कभी-कभी ऑनलाइन रिपोर्ट
के माध्यम से वेबसाइट्स का शिकार सुनारी युवकों को जाल में



विवाह के बंधन
में बंधने से पहले
एक बार तहकीकात
ज़रूर करवाएँ

लीजिये डिटेक्टिव
की मदद

+91-91110 50101

www.detectivegroup.in

व्यक्तित्व विशेष

● पंचानन माहेश्वरी

(जन्म: 9 नवम्बर, 1904 जयपुर - मृत्यु: 18 मई, 1966 दिल्ली) भूमिगत जनशक्ति विद्वान् थे। पंचानन माहेश्वरी ने स्वतन्त्रतायुद्ध विरोधीवादीकरण में विशाल कार्य की ओर आगाव कोसोंच से आग्रहण कार्य अग्रणी किया। इत्यादिवादी राक्षसक और डाकू विरोधीवादीकरण में भी पंचानन माहेश्वरी रहे और 1948 में दिल्ली विरोधीवादीकरण में जनशक्ति विद्वान् के अग्रणी होकर आ गये तथा जीवन-मरण तक रहे। माहेश्वरी की अपने देश में अंतर्दृष्टि अत्यन्त थी। इन्होंने पाप्य भूमिगत्य पर विशेष कार्य किया। भूमिगत्य और पाप्य क्रियाविधियों के संक्षिप्तभण से इन्होंने एक नई शाखा का विकास किया। इससे पूर्ण के विभिन्न भागों को कुट्टिम पोषण द्वारा पुनर्दिष्ट करने में पंचानन सफलता मिली। आपने अधीन शोध कार्य करने के लिए भारतीय नहीं, अमेरिकन, ऑस्ट्रेलियन, अर्जन्टीन आदि देशों के छात्र भी आते थे।



11/2/11
MORARI BAPU



शारद-श्रेष्ठ-कलना...

भरोसा 2 तरह से किया जा सकता है ...
1...कुछ भी सोचे बिना किसी के चरणों में समर्पित हो जाना
2...पूरी तरह जान लो... फिर समर्पित होना...

संपादकीय

सावधान होने का वक्त

एक आम इसान के सामने स्वाभाविक ही दुविधा खड़ी हो जाती है, जो अपनी किसी बीमारी की हालत में विकिसंस्की या विकिसंस्की संबंधी सलाहों पर निर्भर रहता है। निश्चित रूप से अगर कोई प्रशिक्षित विकिसंस्की सभी प्रकार की जांच करके किसी बीज के सेवन या उससे बचने की सलाह देता है तो इसका कोई आधार होता है। सवाल है कि खाने-पीने को लेकर अनेक प्रकार के दावे करते हुए बाजार में उपलब्ध उत्पाद किसी बीमारी को दूर करने में क्या असमर्थ सहायक साबित होते हैं? या फिर वे शरीर में एक नई जटिलता पैदा करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ ने मंगलवार को गैर-वीनी मिठास को लेकर जो नई चेतावनी जारी की है, वह वैसे लोगों के लिए सावधान हो जाने का वक्त है, जो ऐसी कुट्टिम मिठास का सेवन करते हुए वह मान कर चलते हैं कि उन्होंने शरीर में मीठे की जरूरत भी पूरी कर ली और वे वीनी के इस्तेमाल से भी बच गए। पिछले कुछ दशकों के दौरान जीववैज्ञानिकों से जुड़े शोध के सवालों को लेकर अनेक प्रकार के अध्ययन होते रहे हैं। खासतौर पर मधुमेह और हृदय रोगों को लेकर विशेषज्ञता जलाई जाती रही है और सबसे ज्यादा जोर खानपान में परहेज और संतुलन पर दिया जाता रहा है। इसी क्रम में मधुमेह के जोड़िम के बीच कुट्टिम मिठास का विकल्प लोकप्रिय हुआ था। अब डब्ल्यूएचओ ने शरीर के दमन को नियंत्रित करने या फिर गैर-संवारी बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आम इस्तेमाल में आ चुके मिठास पैदा करने वाले पदार्थों या गैर-वीनी मिठास को बंद करना आगोषा है। डब्ल्यूएचओ के मुखौटा गैर-वीनी मिठास के सेवन को लेकर नया सुझाव उपलब्ध बस्तुओं की समीक्षा के नतीजों पर आधारित है, जिससे पता चलता है कि इसके इस्तेमाल से वयस्कों या बच्चों के शरीर का दमन कम करने में अनेक समय के दौरान कोई फायदा नहीं मिलता। बल्कि अध्ययन के नतीजों से ये तथ्य भी उजागर हुए हैं कि ज्यादा तबक तक इसके इस्तेमाल से घातक असर हो सकते हैं।

अर्थ क्या है...

दिल्ली की थी या दिल की लगी,
कहां समझ पाये तुम...
होवों की मुस्कुराहट देखी, आँखों की नमी कहां पढ़ पाये तुम...

वट सावित्री व्रत के दिन बनने वाले दुर्लभ संयोग

● महत्त्व, पूजन सामग्री, कथा व जानिए सबकुछ



हिंदू धर्म में, वट सावित्री व्रत सुलग्न महिलाओं द्वारा अपने पति को लंबी आयु की कामना के लिए रखा जाता है। यह व्रत सावित्री से जुड़ी है, विभिन्न मनुष्य के देवता यमराज के चंगुल से अपने पति स्वस्थान को जान बचाई थीं। महिलाएं इस दिन बरगद के पेड़ की पूजा करती हैं और अपने पति को लंबी उम्र की कामना करती हैं। वट सावित्री व्रत अमरावती पर ज्येष्ठ माह में अमावस्या तिथि को मनाया जाता है।

सुबह 04-06 बजे से शुरु हो जाएगा पूजन का शुभ मुहूर्त, यहाँ देखें वट सावित्री व्रत के चौथिआ मुहूर्त

● 19 मई को है वट सावित्री व्रत
हर साल ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या और पूर्णिमा तिथि को वट सावित्री व्रत रखा जाता है। 2023 में ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 18 मई को रात 9-42 बजे से शुरू होगी और 19 मई को रात 9-22 बजे समाप्त होगी। इसलिए इस साल का वट सावित्री व्रत 19 मई को रखा जाएगा। वट सावित्री व्रत अमरावती पर अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। इस दिन एक पत्र संजम, जिल्ली, मसूर प्रलेह, उज्जर प्रलेह, ओडिआ और हलिकाचू में संजम जाता है। इसके अलावा ज्येष्ठ पूर्णिमा पर वट सावित्री व्रत मुख्य रूप से महाराष्ट्र और गुजरात में मनाया जाता है।

● जून में भी रखा जाएगा वट सावित्री व्रत

ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को वट सावित्री व्रत 2023 को शुक्रवार 3 जून को सुबह 11 बजेकर 16 मिनट से होगी और अगले दिन 4 जून 2023 को सुबह 9 बजेकर 11 मिनट पर समाप्त होगी। वट सावित्री व्रत 2023 राविवार, 3 जून को मनाया जाएगा।

● वट सावित्री व्रत पूजन सामग्री

वट सावित्री व्रत 2023 पर पूजा करने के लिए, मोरगो फल, तरबूज, मंगोजर, अखंड चावल, रक्षा शुभ नामक एक पत्रिका धागा, फूल, रिंदूर, अमरवती, पुरीरं, अमरवती, रोली, मिट्टी का दीपक, सोहल शंकर के लिए श्रृंगार सामग्री, पान, सुबारी, नारियल, भोगे हुए चने, पानी की गुलाब, बरगद के पेड़ की छात्र, ककड़ा, मिठाई, चावल, हल्दी, हल्दी का लेप, और गाव का गोबर आदि की आवश्यकता होती है।

● वट सावित्री व्रत का महत्व

वट सावित्री व्रत का हिंदू धर्म में अत्यधिक महत्व है और यह अपने आप में अत्यधिक लाभकारी है। इस साल वट सावित्री व्रत के दिन

रति जन्मी का शुभ संयोग बन रहा है। वट सावित्री व्रत के दिन शराब बच योग और सिद्धि योग का निर्वाह हो रहा है।

● वट सावित्री व्रत के दिन बन रहे शुभ योग

इसके अलावा मेष राशि में चंद्रमा और बुधशुक्र नव केसरी योग बनएगी। ज्योतिषियों का मानना है कि ऐसा करने से प्रती मिलने को विशेष लाभ और अमृत शक्ति को प्राप्त होना होगा। साथ ही इस दिन शोभन योग भी होगा जो रात 6 बजेकर 17 मिनट तक रहेगा और इस दौरान पूजा करने से विशेष लाभ मिलने को मान्यता है।

● वट सावित्री व्रत कथा

इस व्रत से जुड़ी पारंपरिक मान्यता के अनुसार, बहुत समय पहले सावित्री नाम की एक महिला ने अपने पिता और पिता के बच्चे देवकाल के देवता यमराज से अपना पुत्र होने के लिए पूजा करने में मदद नहीं थी। इसलिए कहा जाता है कि जो भी महिलाएं सावित्री व्रत को उचित नियमों का पालन करके रखती हैं, वह सुदृढ़ता पा सकती हैं कि उनके पति एक जीवन विधियों को पारंगत से प्रभावित न हो, उदाहरण के लिए जीवन लंबाई करें, अमृत मनु से उदासी रहे और उनके परिवार को समृद्धि का अनुभव हो।

Highlights

1. Video shows people punching each other as fight breaks out at Walt Disney World in US
2. Pic of woman working on laptop while riding bike taxi in Bengaluru goes viral; people react
3. Musk, who said he gave \$100 mn to OpenAI, now says it was \$50 mn
4. 26/11 accused Tahawwur to be brought back to India as US court approves extradition
5. Indian-origin driver gives Prince Harry, Meghan a ride after 'dangerous chase' by paparazzi

Former Jet Airways CEO Sanjiv Kapoor joins Saudia Group airlines

NEW DEHI, (Agency). Sanjiv Kapoor, the former CEO-designate of Jet Airways, on Wednesday announced his new role as an advisor to the director general of Saudia Group, Saudi Arabia's national airline. This comes days after his resignation from the grounded airline in April.

"I am thrilled to share that I have joined the Saudia Group as Advisor to His Excellency Ibrahim Al-Omar, Director General of the Group," he wrote on LinkedIn.

In his new role, Kapoor expressed his commitment to working towards the Saudia Group's objective of attracting 100 million annual visitors to the Kingdom. His focus will be on leveraging the strategic location of Saudi Arabia to establish it as a global hub, seamlessly connecting the continents of Asia, Europe, and Africa.

"I am excited at the opportunity of working with a highly passionate and talented team and



being part of what promises to be an exciting journey ahead," Kapoor wrote.

Saudia, one of the two major airlines of Saudi Arabia, has been working on its expansion plan. The group is currently in the process of procuring 39 wide-body 787 Dreamliner planes from Boeing, indicating its commitment to bolstering its fleet and enhancing its operational capabilities, Live Mint reported.

On March 21, Saudia declared that it is working to add 25 new destinations in 2023.

In April, Kapoor stepped

down as CEO-designate of Jet Airways, exactly a year after his appointment. His departure came at a critical time when the transfer of ownership of the airline to a consortium led by Murari Lal Jalan and Kalrock Capital was pending, due to disagreements between the successful bidder and lenders.

Prior to his role at Jet Airways, Kapoor held esteemed positions such as president of Oberoi Hotels and Resorts, Chief Strategy Officer at Vistara Airlines, and chief operating officer at SpiceJet.

Senior Meta India executive Manish Chopra resigns, fourth major exit in 6 months

NEW DEHI, (Agency). Manish Chopra, Meta's Director and Head of Partnerships in India, has announced his resignation, making his exit from a company he joined in January 2019.

Chopra took to LinkedIn to announce his departure, adding, however, that he will help with the transition over the next few weeks. "I am grateful to the company for trusting me with building out

our efforts to drive growth & engagement across Facebook, Instagram and WhatsApp. I am super proud of the work the team and I

have done to become an ally for creators and businesses around the country. My heartfelt thanks to each and everyone one of you!" he wrote.

Chopra continued, referring apparently to the ongoing



global layoffs at Meta, including in India: "The recent months have been trying times for everyone in so many ways! I know this team has shown so much care and has helped each other selflessly. At so many moments in one doing one's very best, I have seen folks embody 'what would you do, if you were not afraid', and surpass our wildest dreams.

And so for me, I am now looking forward to a new phase in my professional life. I will share more in due course."

Sandhya Devanathan, Vice President, Meta India, thanked him for his contributions.

"Manish, thank you so much for your leadership and your contributions to Meta and our India business over all these years. Wish you an awesome next play!" Devanathan wrote below his post.

